

## ‘नॉन-फिएट’ क्रिप्टोकॉइन्स के पक्ष में नहीं है आरबीआई

### चर्चा में क्यों?

- वदिति हो कि “नॉन-फिएट” क्रिप्टोकॉइन्स (“non-fiat” cryptocurrencies) को लेकर भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा गठित एक समूह, क्रिप्टोकॉइन्स को वैधानिक मान्यता देने के मसले पर गंभीरता से वचिर कर रहा है ।
- आरबीआई के एक वरषिठ अधकिारी ने हाल ही में कहा है कि केंद्रीय बैंक को ‘फिएट क्रिप्टोकॉइन्स’ से कसिी तरह की कोई आपत्तनिहीं है, लेकनि वह “नॉन-फिएट” क्रिप्टोकॉइन्स जैसे कबिटिकॉइन्स को लेकर ख़ासा चतिति है, क्योंकि इस कसिी को लेकर दुनयिाभर में नयिमाकीय जॉच चल रही है ।

### ‘फिएट क्रिप्टोकॉइन्स’ और ‘नॉन-फिएट क्रिप्टोकॉइन्स’ में अंतर

- एक ‘नॉन फिएट’ क्रिप्टोकॉइन्स उदाहरण के लयिे बटिकॉइन्स, एक नजिी क्रिप्टोकॉइन्स है । जबकि ‘फिएट क्रिप्टोकॉइन्स’ एक डजिटिल मुद्रा है, जसिे भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा जारी कयिा ज़ाएगा ।

### भारत में क्रिप्टोकॉइन्स की वैधता

- आरबीआई समय-समय पर बटिकॉइन्स के संभवति खतरों के प्रति आगाह करता आया है । हालाँकि, असली तस्वीर तब सामने आएगी जब आरबीआई डजिटिल कसिी जारी करेगी, जसिे भौतिक मुद्रा के तौर पर संचति करने के बजय साइबर स्पेस में रखा जा सकता है ।
- जहाँ तक ‘नॉन फिएट’ क्रिप्टोकॉइन्स का सवाल है तो आरबीआई इसे लेकर सहज नहीं है । गौरतलब है कि केंद्रीय बैंक ने क्रिप्टोकॉइन्स को लेकर अभी तक अपनी कसिी योजना का ख़ुलासा नहीं कयिा है ।

### क्या है बटिकॉइन्स?

- दरअसल, बटिकॉइन्स एक डजिटिल कसिी है जसिका इस्तेमाल दुनयिाभर में लोग लेन-देन के लयिे करते हैं । उल्लेखनीय है कि यह ‘मुख्य वत्तिीय ससि्टम’ और ‘बैंकिग प्रणाली’ से बाहर रहकर काम करती है । यही कारण है कि इसके स्रोत और सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न उठते रहते हैं ।
- इस डजिटिल मुद्रा को कसिी भी सरकार का साथ नहीं मलिा है और लगातार इसे फ्रॉड, हवाला मनी और आतंकी गतविधियों को षोषति करने वाली मुद्रा के रूप में संबोधति कयिा जाता रहा है ।
- वदिति हो कि हाल ही में ‘जेपी मार्गन चेज एंड कंपनी’ के चीफ एग्ज़िक्यूटिवि जैमी डमिॉन ने इसे फ्रॉड तक कह डाला और कहा कि बटिकॉइन्स का गुबबारा जलद ही फूटेगा ।
- उधर, चीन ने भी बटिकॉइन्स एक्सचेंजों पर सख्ती करते हुए उन पर प्रतिबंध लगाने की सूचना जारी कर दी है । बटिकॉइन्स बाज़ार में पछिले एक साल में ज़बरदस्त उछाल दर्ज़ कयिा गया है ।

### नषिकरष

- पछिले कुछ वर्षों में क्रिप्टोकॉइन्स बड़ी तेज़ी से लोकप्रयि हुआ है । वर्तमान में, भारत सहति कई देशों में यह न तो अवैध है और न ही वैध । क्रिप्टोकॉइन्स का बाज़ार वर्तमान में 100 अरब डॉलर के आँकड़े को पार कर चुका है ।
- यह आवश्यक है कि क्रिप्टोकॉइन्स को लेकर कुछ नयिमाकीय प्रावधान कएिे ज़ाएँ । यहाँ यह जानना आवश्यक है कि सभी क्रिप्टोकॉइन्स बटिकॉइन्स नहीं हैं, जबकि सभी बटिकॉइन्स क्रिप्टोकॉइन्स हैं । बटिकॉइन्स (bitcoin), एथरॉम (ethereum) और रिप्ल (ripple) कुछ लोकप्रयि क्रिप्टोकॉइन्स हैं ।